

प्रेषक,

आर० मीनाक्षी सुन्दरम,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
पर्यटन निदेशालय,  
उत्तराखण्ड देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक ०२ मई, 2017

विषय:- चारधाम यात्रा 2017 में आने वाले तीर्थ यात्रियों/श्रद्धालुओं/पर्यटकों की आवश्यक सुविधा हेतु चारधाम यात्रा मार्ग पर सार्वजनिक शौचालयों/बायो शौचालय की साफ-सफाई/मरम्मत/रख-रखाव हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-28/2-7-27/2016, दिनांक 19 अप्रैल, 2017 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चारधाम यात्रा 2017 के सफल संचालन हेतु चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों/पर्यटकों के सुविधार्थ चारधाम यात्रा को मध्य नजर रखते हुए उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद द्वारा पर्यटन कोष से प्रथम किश्त के रूप में 50 प्रतिशत धनराशि अग्रिम रूप में निर्माण इकाई सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस आर्गेनाइजेशन, देहरादून को उपलब्ध कराने के दृष्टिगत निर्माण इकाई सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस आर्गेनाइजेशन, देहरादून द्वारा गठित आगणनों का टी0ए0सी0 वित्त के परीक्षणोपरान्त निम्न वर्णित कार्यों की कार्योत्तर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निम्न शर्तों/प्रतिबन्धों की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(₹ धनराशि लाख में)

क्र० सं०	योजना का नाम/निर्माण इकाई	आगणन लागत	टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत		परिषद स्तर से पर्यटन कोष से पूर्व में अनुवृत्त की गयी धनराशि
			सिविल कार्य	अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अनुसार	
1	चारधाम यात्रा मार्ग पर 176 नग अस्थाई फ्लैक्सी शौचालय/मूत्रालय निर्माण एवं छः माह तक साफ-सफाई/रख-रखाव हेतु	81.83	23.48	55.93	40.91
2	जनपद टिहरी में 3 स्थलों शिवपुरी, कौडियाला तथा खैरासूत में 10-10 सीट के 3 मोबाईल टायलेट स्थलों पर यात्रा काल के दौरान संचालित एवं छः माह तक साफ-सफाई एवं रख-रखाव किये जाने हेतु	6.93	—	6.30	3.46
	योग :-	88.76	23.48	62.23	44.37

- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए तथा एक मद की धनराशि दूसरे मद में कदापि व्यय न की जाय।
- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

- (iv) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाये तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाये।
- (v) विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (vi) स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
- (vii) व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 तथा इसके क्रम में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
- (viii) आवंटित धनराशि का उपभोग 31 मार्च, 2018 तक कर लिया जाय। अवशेष धनराशि समयान्तर्गत शासन को समर्पित कर दी जाय।
- (ix) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है। मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं होगा। बजट योजनावार आवंटन उसके विपरीत मासिक योजनावार व्यय का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- (x) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (xi) कार्य के प्रति पूर्ण भुगतान करने से पूर्व किसी तृतीय पक्ष से इसकी गुणवत्ता की चेकिंग का कार्य उक्त अनुमोदित लागत से कराये जाने के बाद कार्य अनुमोदित आगणन के अनुसार होने की पुष्टि पर ही भुगतान किया जायेगा। यह दायित्व निदेशक पर्यटन का होगा। अतः निदेशक पर्यटन Third party Monitoring की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें।
- (xii) वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-571/XXVII(1)/2010, दिनांक 19 अक्टूबर, 2010 के अनुरूप कार्यवाही किया जाय।
- (xiii) कार्यदायी संस्था के निर्धारण में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-53/XXVII(2)/2017, दिनांक 29 मई, 2017 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आर० मीनाक्षी सुन्दरम)  
सचिव।

संख्या:- 775 /VI(1)/2017-03(22)/2017, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 4- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस आर्गेनाइजेशन, देहरादून।
- 6- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(गरिमा रौकली)  
संयुक्त सचिव।